रक्षाबंधन की शुभकामनाएं

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com

RNI No: UPHIN/2023/86769

swarajindianews

swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, शनिवार, 09 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 212, पृष्ठः 8+4

इनसाइड कुमारगंज अस्पताल में ठेकेदारी में खेल उजागर... » Pg 11

रूस-यूक्रेन की जंग होगी खत्म?... » Pg 12

अखिलेश दुबे सिंडिकेट पर शिकंजा कसने की तैयारी

सिंडिकेट के भीतर छिपे नए चेहरे बेनकाब हो रहे हैं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। तीन दशक तक शहर में खौफ का दूसरा नाम रहे माफिया अखिलेश दुबे के नेटवर्क की परतें तेजी से खुल रही हैं। पुलिस और खुफिया एजेंसियों की जांच में अब सिंडिकेट के भीतर छिपे नए चेहरे बेनकाब हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, गिरोह में एक 'ऋषि', एक 'बाबा', एक 'सरकार' और एक 'ओझा' की अहम भूमिका सामने आई है। इन चारों पर शिकार तलाशने, सौदे तय करने और नेटवर्क की सुरक्षा में अहम जिम्मेदारी निभाने के आरोप हैं।

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि अखिलेश दुबे के सिंडिकेट से जुड़े चार सीओ और छह इंस्पेक्टर के नाम सामने आने वाले हैं, जो कथित रूप से वर्षों तक उसके लिए 'सिस्टम शील्ड' की तरह काम करते रहे।

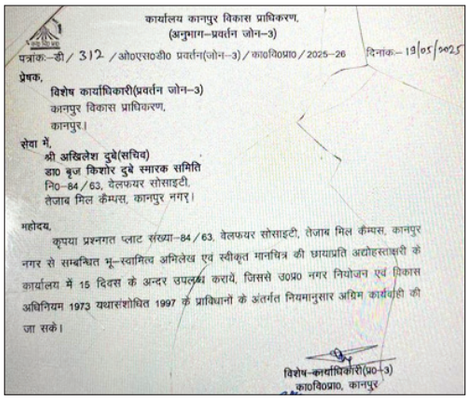

कार्यालय कानपुर विकास प्राधिकरण,
(अनुभाग–प्रवर्तन जोन–3)

पत्रांक:–डी/ 312 /ओ0एस0डी0 प्रवर्तन(जोन–3)/ का0वि0प्रा0/2025–26 दिनांक:– 13/05/2025

प्रेषक,
विशेष कार्याधिकारी(प्रवर्तन जोन–3)
कानपुर विकास प्राधिकरण,
कानपुर।

सेवा में,
श्री अखिलेश दुबे(सचिव)
डा0 बृज किशोर दुबे स्मारक समिति
नि0–84/63, वेलफेयर सोसाइटी,
तेजाब मिल कैम्पस, कानपुर नगर।

महोदय,
कृपया प्रश्नगत प्लाट संख्या–84/63, वेलफेयर सोसाइटी, तेजाब मिल कैम्पस, कानपुर नगर से सम्बन्धित भू–स्वामित्व अभिलेख एवं स्वीकृत मानचित्र की छायाप्रति अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में 15 दिवस के अन्दर उपलब्ध कराये, जिससे उ0प्र0 नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 यथासंशोधित 1997 के प्राविधानों के अंतर्गत नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जा सके।

विशेष–कार्याधिकारी(प्र0–3)
का0वि0प्रा0, कानपुर

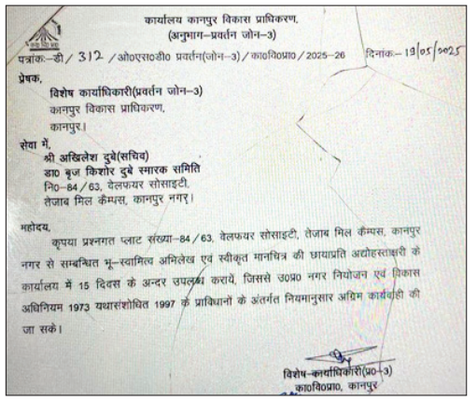

कार्यालय कानपुर विकास प्राधिकरण,
(अनुभाग–प्रवर्तन जोन–3)

पत्रांक:–डी/ 312 /ओ0एस0डी0 प्रवर्तन(जोन–3)/ का0वि0प्रा0/2025–26 दिनांक:– 13/05/2025

प्रेषक,
विशेष कार्याधिकारी(प्रवर्तन जोन–3)
कानपुर विकास प्राधिकरण,
कानपुर।

सेवा में,
श्री अखिलेश दुबे(सचिव)
डा0 बृज किशोर दुबे स्मारक समिति
नि0–84/63, वेलफेयर सोसाइटी,
तेजाब मिल कैम्पस, कानपुर नगर।

महोदय,
कृपया प्रश्नगत प्लाट संख्या–84/63, वेलफेयर सोसाइटी, तेजाब मिल कैम्पस, कानपुर नगर से सम्बन्धित भू–स्वामित्व अभिलेख एवं स्वीकृत मानचित्र की छायाप्रति अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में 15 दिवस के अन्दर उपलब्ध कराये, जिससे उ0प्र0 नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 यथासंशोधित 1997 के प्राविधानों के अंतर्गत नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जा सके।

विशेष–कार्याधिकारी(प्र0–3)
का0वि0प्रा0, कानपुर

ब्राह्मण पिता-पुत्र फरार : गिरोह के लिए शिकार तलाशने वाले ब्राह्मण पिता-पुत्र भूमिगत हो गए हैं। पुलिस की छापेमारी से पहले ही दोनों अपने ठिकानों से गायब हो गए और मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ कर दिए।

अखिलेश दुबे के काले साम्राज्य में 'विष कन्याओं' की भी अहम भूमिका रही। सूत्र बताते हैं कि इस काम के लिए जिम्मेदार एक यदुवंशी की तलाश में पुलिस की विशेष टीम लगी है। माना जा रहा है कि इसी कड़ी से कई बड़े राज खुल सकते हैं। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने अखिलेश दुबे की आधा दर्जन से ज्यादा संपत्तियों को चिन्हित कर नोटिस जारी कर दिए हैं। इनमें कई व्यावसायिक और आवासीय परिसंपत्तियां शामिल हैं।

मोदी ने ब्रह्माकुमारी दीदी और छोटी-छोटी बहनों से बंधवाई राखी

नई दिल्ली। देशभर में राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारी की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्यौहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। इससे पहले पीएम मोदी ने इस पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश भी पोस्ट किया।

स्कूल यूनिफॉर्म में स्कूली छात्राओं के साथ पीएम मोदी ने दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेअपने संदेश में उन्होंने भाई-बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने में इस त्योहार के महत्व पर जिक्र किया।

घोटाला आया सामने | **42 शिक्षकों की सैलरी रोक दी गई! यूपी में हड़कंप मचाने वाला आखिर क्या है मामला**

मऊ में फर्जी नियुक्ति के आरोप में 86 पर केस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सहायता प्राप्त स्कूलों में फर्जी दस्तावेजों पर 42 शिक्षकों की नियुक्ति का बड़ा घोटाला सामने आया है। इस मामले में 86 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और संबंधित शिक्षकों का वेतन रोक दिया गया है।

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। यहां समाज

कल्याण विभाग द्वारा संचालित सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति का मामला सामने आया है। इस मामले में 42 शिक्षकों की कथित फर्जी नियुक्ति के लिए 86 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक जांच के बाद इन 42 शिक्षकों का वेतन भी रोक दिया गया है।

कौन-कौन हैं इस केस में शामिल? : पीटीआई की रिपोटज़ के मुताबिक पुलिस ने बताया कि मऊ की समाज कल्याण अधिकारी रश्मि मिश्रा की शिकायत पर 5 अगस्त को एफ्आईआर दर्ज की गई थी। इस केस में 86 लोगों को नामजद किया गया है। इसमें तीन पूर्व जिला समाज कल्याण अधिकारी, तत्कालीन बेसिक शिक्षा अधिकारी, चार खंड शिक्षा अधिकारी, विभाग के सुपरवाइजर/डेस्क सहायक, 42 शिक्षक और सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों के 19 प्रबंधक शामिल हैं।

समाज कल्याण अधिकारी रश्मि मिश्रा ने पीटीआई को बताया कि 2014 के बाद से मऊ में समाज कल्याण विभाग से सहायता प्राप्त स्कूलों में कुल 70 शिक्षकों की नियुक्तियां हुई थीं। शुरुआती जांच में पता चला है कि इनमें से 42 शिक्षकों की नियुक्ति फर्जी दस्तावेजों के आधार पर की गई थी।

आपरेशन महाकाल

अखिलेश दुबे का गैंग एक्सपोज़

आईपीएस-पीपीएस अफसरों से लेकर सफेदपोश तक शामिल

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। अधिवक्ता अखिलेश दुबे के नेटवर्क ने पुलिस की नींद उड़ा दी है। ताजा जांच में यह सामने आया है कि इस गैंग में सिर्फ अपराधी और वकील ही नहीं, बल्किआईपीएस और पीपीएस स्तर के अधिकारी भी शामिल थे। कई सफेदपोश लोग इस वसूली मशीन के हिस्सेदार थे, जो हर डील में हिस्सा लेते थे। सूत्र बताते हैं कि गिरोह का संचालन बेहद संगठित तरीके से होता था एक तरफ वकील के रूप में कानूनी हथियार, दूसरी तरफ पुलिस अफसरों की शह, और तीसरी तरफ रसूखदार सफेदपोशों का संरक्षण।

- फर्जी मुकदमे, वसूली और सरकारी जमीन पर कब्जा सब में पुलिस-माफिया गठजोड़
- जेल में बंद अधिवक्ता के लिए झुकते थे पुलिस अफसर, रिश्तेदारी तक निभाई जाती थी
- वक्फ बोर्ड की 150 करोड़ की संपत्ति पर फर्जी पट्टे से कर डाला कब्जा

पुलिस की रिपोर्ट में यह तक दर्ज है कि शहर के कई पुलिस अफसर सार्वजनिक मंचों पर अखिलेश के पैर छूते थे। इतना ही नहीं, कुछ अधिकारियों ने अखिलेश से साले-बहनोई जैसे रिश्ते बताकर उसकी ताकत और बढ़ाई। गिरोह में शामिल गैर-राजपत्रित पुलिसकर्मियों का भी लंबा लिस्ट मिला है, जिनमें आशीष द्विवेदी जैसे नाम सामने आए हैं, जो शहर में वसूली, जमीन कब्जा और डर का माहौल बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते थे। पिछले 5-7 सालों में इस गैंग में कुछ रसूखदार पिता-पुत्र की जोड़ियां भी शामिल हुईं, जिन्हें पुलिस ने हाल ही में हिरासत में लिया है।

पुलिस-राजनीति-गैंग का गठजोड़, शिकार फंसाने का तरीका

अखिलेश दुबे के गिरोह का मुख्य हथियार था कानून का गलत इस्तेमाल। पहले वे अपने टारगेट की पूरी प्रोफाइल तैयार करते, उसकी कमज़ोरियां खंगालते और फिर उसी के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराते थे।

मुकदमे की टाइमिंग और कहानी इस तरह गढ़ी जाती कि पीड़ित बचाव के लिए लाख कोशिश करे, लेकिन शुरुआती दौर में दबाव में आ ही जाए। अगर सीधे पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करना मुश्किल हो, तो गिरोह अदालत के जरिए 156(3) के तहत मुकदमा दर्ज कराता था।

अधिकांश केस कई महीने पुरानी घटनाओं से जुड़े दिखाए जाते, ताकि गवाह जुटाना मुश्किल हो और आरोपी पर दबाव ज्यादा पड़े। एक बार समझौते की रकम तय हो जाने के बाद विवेचक 'सबूत न मिलने' का हवाला देकर फाइनल रिपोर्ट लगा देता था। इसी पैटर्न में अखिलेश और उसके साथी लवी मिश्रा पर आरोप है कि उन्होंने एक होटल मालिक को दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाकर ढाई करोड़ रुपये वसूले। उन्होंने एक महिला को मामले में शामिल किया, जिससे पीड़ित को मजबूर होकर समझौता करना पड़ा। एडीसीपी क्राइम अंजली विश्वकर्मा की जांच में होटल मालिक पर लगे सभी आरोप झूठे निकले और इसके बाद अखिलेश व लवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। यह घटना गैंग की आपराधिक सोच और पेशेवर तरीके की सबसे साफ मिसाल है।

150 करोड़ की वक्फ बोर्ड जमीन पर कब्जा कैसे हुआ

अखिलेश दुबे के खिलाफ सबसे गंभीर आरोपों में से एक है कानपुर सिविल लाइंस स्थित वक्फ बोर्ड की लगभग 150 करोड़ रुपये की जमीन पर कब्जा। जिला प्रशासन की जांच में यह साफ हुआ कि अखिलेश ने कूटरचित दस्तावेजों के जरिए अपने भाई सर्वेश दुबे के नाम 29 साल 11 महीने का अवैध पट्टा बनवाया। यह जमीन चार हजार वर्ग गज से ज्यादा की है, जिस पर वर्तमान में कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान, किराए पर दिए गए मकान और एक गेस्ट हाउस चल रहे हैं। एसआईटी की रिपोर्ट में साफ लिखा है कि 2016 और 2024 में जिन दस्तावेजों का इस्तेमाल पट्टा कायम रखने के लिए किया गया, वे एक ऐसी महिला मुन्नी देवी के नाम से तैयार किए गए, जिसकी मौत 2015 में ही हो चुकी थी। इसके अलावा, वर्ष 2010 के बाद इस जमीन पर पट्टा हस्तांतरण कानूनी रूप से संभव ही नहीं था, लेकिन फर्जीवाड़े से यह काम कराया गया। शिकायतकर्ता सौरभ भदौरिया के मुताबिक, अखिलेश ने यह कब्जा शत्रु संपत्ति और वक्फ जमीन पर लगी खरीद-फरोख्त की रोक के बावजूद किया। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिला प्रशासन को स्पष्ट रिपोर्ट मिलने के बाद भी अब तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे यह शक और गहराता है कि प्रशासनिक स्तर पर भी कहीं न कहीं संरक्षण मिला हुआ है।

लिव-इन में रह रहे युवक की हत्या, महिला फरार

- सिर व शरीर पर गहरी चोटें, खून बहने से हुई मौत की पुष्टि
- थाने की बाउंड्रीवाल के पास मिला शव, पुलिस ने महिला की तलाश तेज की

प्रमुख संवाददातास्वराज इंडिया

कानपुर। बिधनू में शुक्रवार सुबह सनसनीखेज वारदात में एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी गई।

उसका शव बिधनू थाने की बाउंड्रीवाल के पास पड़ा मिला। शव पूरी तरह अकड़ चुका था और सिर, हाथ-पैर व कमर पर गहरी चोटों के निशान थे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में तीन और शरीर के अन्य हिस्सों में आठ गंभीर चोटें मिलने के साथ अत्यधिक रक्तस्राव से मौत की पुष्टि हुई है।मृतक विक्रम यादव (32) जयसिंहपुर का रहने वाला

था और पिछले तीन साल से बिधनू कस्बे में काकोरी निवासी बाबूलाल के मकान में किराए पर एक महिला के साथ लिव-इन में रह रहा था। उसी मकान के दूसरे कमरे में झींझक, कानपुर देहात का ट्रक चालक कल्लू भी रहता था। घटना के बाद विक्रम के कमरे पर ताला लटकता मिला और साथ रहने वाली महिला फरार थी।

मृतक के भाई संजय ने फोन मिलाया तो कल्लू ने रिसीव किया और बताया कि वह कबरई में है और दो दिन पहले विक्रम का फोन उसने लिया था।

पुलिस ने स्वजन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है और लिव-इन में रहने वाली महिला की तलाश तेज कर दी है।

रिज़र्व पुलिस लाइन में रक्षा बंधन पर्व, भाईचारे और सौहार्द का संदेश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रिज़र्व पुलिस लाइन कमिश्नरेट कानपुर नगर में शनिवार को रक्षा बंधन पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एडीएम सिटी राजेश कुमार, एडीसीपी लाइन महेश कुमार और रिज़र्व इंस्पेक्टर चंद प्रताप सिंह सहित पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।कार्यक्रम में उपस्थित बहनों ने पुलिस प्रशिक्षुओं,

कर्मचारियों और अधिकारियों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर भाईचारे, पारस्परिक विश्वास और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। इस अवसर ने न केवल रक्षा के संकल्प को दोहराया,

बल्कि पुलिस बल और नागरिकों के बीच सहयोग व स्नेह के बंधन को और प्रगाढ़ किया।रक्षा बंधन पर्व के दौरान पूरा माहौल उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा।

सभी ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं और समाज में एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

धीरज उर्फ दीनू उपाध्याय की पुलिस ने खोली हिस्ट्रीशीट

23 थानों में दर्ज हैं मुकदमे, साथियों की तलाश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पुलिस ने बसपा नेता हत्याकांड के आरोपी धीरज उर्फ दीनू उपाध्याय की हिस्ट्रीशीट खोल दी है। दीनू पर 23 थानों में धोखाधड़ी और धमकी समेत कई आरोप दर्ज हैं। पुलिस उसके फरार साथियों की तलाश कर रही है।

कानपुर में बसपा नेता पिंटू सेंगर की हत्या के आरोप में सोनभद्र की जेल में बंद धीरज उर्फ दीनू उपाध्याय के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को नवाबगंज पुलिस ने नजर रखने के लिए उसकी हिस्ट्रीशीट खोल दी है। दीनू उपाध्याय पर शहर के 23 थानों में धोखाधड़ी, वसूली, आपराधिक षड्यंत्र रचने, धमकी देने, अतिचार समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज है।

पुलिस रंगदारी मांगने के मामले में उसके साथी नारायण भदौरिया और दीपक जादौन की पहले ही हिस्ट्रीशीट खोल चुकी है।

कमिश्नरी पुलिस वसूली, जमीन पर कब्जा करने, धमकी देने के मामलों में दीनू उपाध्याय के साथियों की करीब दो महीने से तलाश कर रही है। पुलिस के साथ ही क्राइम ब्रांच की टीम भी दबिश के लिए लगी है।

जल्द ही अन्य आरोपियों के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई

दीनू उपाध्याय के भाई संजय उपाध्याय, भतीजे मनु उपाध्याय और राम खिलावन कानपुर जेल में हैं। नारायण भदौरिया,

नीरज दुबे, धीरज दुबे, अरिदमन सिंह, दीपक जादौन, गोपाल सिंह, अनूप शुक्ला, विकास ठाकुर आदि की तलाश की जा रही है। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि दीनू उपाध्याय की हिस्ट्रीशीट खुल गई है, जल्द ही रामखिलाव और अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अपराधियों पर बिल्हौर पुलिस की दोहरी चोट

महिला और युवक गिरफ्तार

फर्जी दस्तावेज से जमीन बेचने वाली और नाबालिग को भगाने वाला गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शुक्रवार को बिल्हौर पुलिस ने अपराधियों पर दोहरी चोट करते हुए एक ही दिन में दो मामलों का पटाक्षेप कर दिया। पहली कार्रवाई में पुलिस ने जमीन घोटाले में लिप्त महिला को गिरफ्तार किया, जबकि दूसरी में नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले युवक को सर्विलांस की मदद से दबोच लिया। इन कार्रवाइयों से न सिर्फ पीड़ितों को राहत मिली, बल्कि अपराधियों के हौसले भी पस्त हो गए। इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने कहा अपराध करने वालों की जगह सिर्फ जेल है और पुलिस इसका सख्ती से पालन कराएगी।

पुलिस की पकड़ में फर्जी दस्तावेज से जमीन बेचने की आरोपी महिला।

किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला युवक पुलिस की गिरफ्त में।

पुलिस के अनुसार, मोहल्ला पंत नगर निवासी सविता (35) पत्नी वीर सिंह के खिलाफ 5 मार्च 2025 को मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोप है कि उसने पीड़ितस की खरीदी गई जमीन के फर्जी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर प्रतिरूपण और धोखाधड़ी के जरिए उसे अन्य व्यक्ति को बेच दिया। जब पीड़िता और उसके पति ने इस पर आपत्ति जताई तो आरोपी महिला ने गाली-गलौज और मारपीट की, साथ ही जान से मारने की धमकी दी। अधिकारियों के निर्देश पर दबिश देकर महिला को पंत नगर से गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में बिल्हौर थाना पुलिस को उस समय बड़ी सफलता मिली जब परिजनों की शिकायत पर लापता 17 वर्षीय किशोरी को उत्तरीपुरा क्रॉसिंग से सकुशल बरामद किया गया। परिजनों ने आरोप लगाया था कि एक युवक उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है।

इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज के नेतृत्व में गठित टीम ने सर्विलांस सेल की मदद से लोकेशन ट्रेस की और उत्तरीपुरा क्रासिंग पर दबिश देकर किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया। मौके से आरोपी युवक निवासी ग्राम अरसदपुर, थाना शिवली, जनपद कानपुर देहात को गिरफ्तार किया गया।

न्यायालय में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। इन दोनों कार्रवाइयों से बिल्हौर पुलिस ने यह साफ कर दिया है कि अपराधियों का कानून के शिकंजे से बचना नामुमकिन है।

भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर दी लंबी उम्र की दुआ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर अरौल स्थित एमएलकेडी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। रक्षाबंधन से एक दिन पहले ही विद्यालय में अवकाश घोषित कर दिया गया था, इसलिए यह आयोजन एक दिन पूर्व ही पूरे उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को दर्शाने वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रस्तुतिकरण से हुई। बच्चों ने कविताओं, गीतों और लघु नाटिकाओं के जरिए इस पर्व की महत्ता को जीवंत कर दिया।

एमएलके डी पब्लिक स्कूल में बच्चों ने उत्साहपूर्वक मनाया राखी का पर्व।

इसके बाद छात्राओं ने अपने सहपाठी भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके अच्छे स्वास्थ्य, लंबी उम्र व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्रों ने भी बहनों को मिठाई खिलाकर जीवनभर रक्षा करने का वचन दिया। शिक्षकों ने बच्चों को बताया कि रक्षाबंधन का अर्थ सिर्फ राखी बांधने तक सीमित नहीं, बल्कि यह आपसी प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

मासिक बैठक **सैनिक क्लब बनाने की मांग पकड़ रही जोर**

अग्निवीर योजना पर जताई नाराजगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर विधानसभा के केंद्रीय कार्यालय में सैनिक प्रकोष्ठ की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि कैप्टन रविंद्र सिंह यादव और जिला अध्यक्ष मुन्ना लाल यादव मौजूद रहे।

कैप्टन यादव ने कहा कि आज फौजियों को जो सम्मान मिल रहा है, वह पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की देन है, जिन्होंने फौजियों की शहादत को गौरवमयी बनाया। जिला अध्यक्ष मुन्ना यादव ने अग्निवीर योजना को फौजियों के सम्मान पर धब्बा बताते हुए इसे मनोबल गिराने वाला कदम कहा। बैठक में पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम से बिल्हौर में सैनिक क्लब निर्माण की मांग की गई।

रचना सिंह ने पूर्व सैनिकों को राखी बांधकर दी शुभकामनाएं।

रचना सिंह ने आश्वासन दिया कि सपा सरकार बनने पर यह प्रयास प्राथमिकता से होगा। विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने कहा कि सपा सरकार बनते ही अग्निवीर व्यवस्था समाप्त कर फौजियों का सम्मान वापस दिलाया जाएगा। इस मौके पर रचना सिंह ने सभी सैनिकों को राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। बैठक में कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

ट्रंप-दबाव के समक्ष मोदी संकल्प की परीक्षा

देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप द्वारा अतार्किक टैरिफ बढ़ाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने देश के किसानों को आश्वस्त किया है कि उनके हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। भारत में हरित क्रांति के सूत्रधार,प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के मौके पर उनका यह बयान और महत्वपूर्ण व प्रासंगिक हो जाता है। कृतज्ञ राष्ट्र स्वीकार करता है कि स्वामीनाथन के हरित क्रांति में योगदान से भारत खाद्यान्न की कमी से उबरकर आज खाद्यान्न अधिशेष वाला राष्ट्र बन गया है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है। हालांकि, इस दृढ़ संकल्प की परीक्षा ट्रंप शासन द्वारा ली जाएगी। जो भारत द्वारा रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल खरीदने के मुद्दे को लेकर लगातार दबाव बना रहा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। इसमें दो राय नहीं कि विगत में भी किसान असंतोष को राजनीतिक हथियार बनाने में विपक्ष ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। खासकर केंद्र सरकार ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले किसान आंदोलन से कड़वा सबक सीखा है। किसान लंबे समय तक अपनी मांगों को लेकर डटे रहे थे। जिसके बाद अंतत- इन विवादास्पद कानूनों को निरस्त कर दिया गया था। इस बीच आंदोलन में किसानों ने अपने अनेक साथियों को खोया था। दरअसल, आंदोलनकारी किसानों की एक मुख्य मांग- विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने की थी। कृषि संगठनों के साथ लंबी चली कई दौर की बातचीत के बावजूद एमएसपी मुद्दे पर गतिरोध कायम है। आज अमेरिकी दबाव का सामना करने के लिये विभिन्न हितधारकों को एकजुट होने की आवश्यकता है। बहरहाल, अमेरिका के खतरनाक मंसूबे अब उजागर होने लगे हैं।

शहरीकरण व जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझें

विनय प्रभाकर

देश में चल रहे मानसून मौसम में पूरे देश में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है, जैसा कि भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमान दिया था। कई राज्यों में भारी बारिश हुई है, जिसमें पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश के कारण आपदाएं जैसे भूस्खलन और अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आई हैं।हिमालयी क्षेत्र- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में लगातार, व्यापक और तीव्र बारिश हुई है। इस मौसम की सबसे भयंकर आपदाओं में से एक उत्तरकाशी जिले के धराली में आई, जहां कथित रूप से बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने जान-माल का नुकसान किया। यह क्षेत्र की पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील स्थिति में अनियंत्रित विकास के खतरे की गंभीर याद दिलाता है।

मैदानों में भी मानसून का कहर जारी है, जहां बड़े शहरों में सड़कों पर जलभराव, जान-माल के नुकसान और पुरानी संरचनाओं का ढह जाना देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर जलजमाव के कारण भारी ट्रैफिक जाम, सड़कों और राजमार्गों पर कार और ट्रकों का सिंक होल में गिरना, स्कूलों और कार्यालयों में फंसे लोग तथा बिजली की चपेट में आने जैसी दुखद घटनाओं की तस्वीरें वायरल हो रही हैं।कुछ नए बने हवाई अड्डों की इमारतें लगातार बारिश को सहन नहीं कर पाईं। प्रभावित शहर जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र और आउटसोर्सिंग हब हैं।बारिश से होने वाले प्रभावों को केवल 'प्रकृति का क्रोध' मान लेना गलत होगा। जो कुछ भारतीय शहर मानसून में जलभराव बढ़ने की जिस चुनौती को झेल रहे हैं, वह अतार्किक शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे की अनदेखी, नगर निगम के नियमों के उल्लंघन, हरियाली और खुले क्षेत्रों के कटाव, बड़े पैमाने पर कंक्रीट का उपयोग आदि का संयुक्त परिणाम है। इसके ऊपर जलवायु परिवर्तन भी है, जो स्वयं मानव निर्मित समस्या है। दशकों से वैज्ञानिक अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में वृद्धि की चेतावनी दे रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन का परिणाम है।एक चरम मौसम घटना तब होती है जब किसी स्थान पर सामान्य मात्रा से कहीं अधिक वर्षा या हिमपात होता है, जैसा कि हमारे कई शहरों में हो रहा है। किसी शहर या क्षेत्र की औसत वर्षा सामान्य सीमा में रह सकती है, लेकिन कुछ दिनों या स्थानों पर बहुत कम समय में भारी वर्षा होती है, जिससे जलजमाव और स्थानीय बाढ़ होती है।यह स्थिति केवल बिगड़ती ही जाएगी क्योंकि भारत में तीव्र गति से शहरीकरण हो रहा है। वर्तमान अनुमान के अनुसार, 2050 तक लगभग एक अरब भारतीय शहरों में रह रहे होंगे।

लेकिन अगर भारतीय शहर अपनी वर्तमान विकास दिशा पर चलते रहे, तो वे अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगे, जैसा कि विश्व बैंक की हाल की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत के शहर अत्यधिक जनसंख्या घनत्व और बड़ी संपत्ति के केंद्र होने के कारण जलवायु प्रभावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। शहरों में ग्रामीण इलाकों की तुलना में जलवायु प्रभाव और आपदाएं अधिक होती हैं क्योंकि वे अत्यधिक आपस में जुड़ी हुई प्रणालियों पर निर्भर हैं। जब मुख्य बुनियादी ढांचा जैसे राजमार्ग या बिजली ग्रिड टूटते हैं, तो यह एक श्रृंखला प्रतिक्रिया को जन्म देता है जिससे बुनियादी ढांचे की विफलता होती है और शहर ठप हो जाता है। बाढ़ सड़कें बंद कर व यातायात बाधित कर सकती है, बिजली लाइनों को प्रभावित और आर्थिक नुकसान कर सकती है।

धान अवशेष प्रबंधन के टिकाऊ समाधानों की जरूरत

पराली जलाने से प्रदूषण

मदन वर्मा

अक्तूबर-नवंबर में उत्तर पश्चिम भारत, खासकर दिल्ली में प्रदूषण चिंताजनक स्तर तक बढ़ जाता है। इसके प्रमुख कारकों में से एक पराली जलाना भी है। जिस पर अंकुश लगाने के लिए पराली के बंडल बनाने जैसी खर्चीली योजनाएं लागू की जाती हैं। जबकि खास एसएसएम सिस्टम से लैस कम्बाइन से धान कटाई व पराली मिट्टी में दबाना ज्यादा तार्किक व किफायती विकल्प है।

अक्तूबर-नवंबर में उत्तर पश्चिम भारत, खास तौर पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में, वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन जाती है। इसके जिम्मेदार कई कारक हैं जैसे मानसून के कारण वायु की गति मंद होना, पहाड़ों से ठंडी हवाओं का मैदानी क्षेत्र की तरफ चलना व पहले से ही मौजूद वायु प्रदूषण का पृथ्वी की सतह पर फैलना। वहीं इसमें धान कटाई के बाद खेतों में पराली जलाना भी एक कारक है। जो सितंबर अंत से नवंबर अंत तक गेहूं, सरसों आदि की बुआई हेतु धान की फसल के अवशेषों को खेत से साफ करने की आसान और बिना लागत वाली विधि है। ये प्रदूषक वातावरण में फैल कर भौतिक और रासायनिक परिवर्तन होने के बाद धुंध की परत का रूप धारण कर लेते हैं। कई-कई दिनों तक धूप को पृथ्वी तक पहुंचने में बाधा बनते हैं। इसके दुष्प्रभाव से सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान 5 से 30 प्रतिशत तक ही रहता है।पराली जलाने पर अंकुश लगाने के लिए सरकार लाखों-करोड़ों रुपए खर्च करती है। यह व्यय पराली के बंडल बनाकर उद्योगों तक पहुंचाने जैसी अव्यावहारिक योजनाएं लागू करने पर भी होता है। इसके अलावा पराली जलाने पर प्रतिबंध, किसानों पर जुर्माना और केस दर्ज करने जैसे सख्त उपाय अपनाए जाते हैं। लेकिन वायु की गुणवत्ता में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ। विडंबना है, प्रचारतंत्र द्वारा पराली जलाने से वायु प्रदूषण पर केवल किसानों को ही जिम्मेवार ठहराया जाता है।इन सबके बावजूद, पराली जलाने की घटनाओं में कमी नहीं आई है। कारण स्पष्ट है कि किसानों के पास पराली प्रबंधन के लिए व्यावहारिक और सस्ते विकल्प उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि धान की कटाई और अगली फसल की बुआई के बीच 15-20 दिनों की अल्प अवधि होने के कारण उनके पास पराली हटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं होता है।राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के साथ लगते राज्यों में 60 लाख हेक्टेयर भूमि पर धान-गेहूं फसल चक्र अपनाया जाता है, जिसमें अक्तूबर-नवंबर में धान कटाई के बाद गेहूं, आलू और सरसों आदि की बुआई की जाती है। इन क्षेत्रों में सालाना लगभग 40 करोड़ क्विंटल पराली पैदा होती है। जिसे उद्योगों में इस्तेमाल करने के लिए 15-20 दिन की अल्पावधि में लाखों ट्रैक्टर-चालित बेलर मशीनों की मदद से खेतों से करीब 100 करोड़ बंडल बनाए जाते हैं। इन्हें एक करोड़ वाहनों द्वारा सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित उद्योगों तक ढोने में लाखों करोड़ों लीटर डीजल खर्च होता है, जो सरकारी धन की बर्बादी और प्रदूषण बढ़ाने वाला अव्यावहारिक प्रयास कहा जा सकता है।प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा 26 सितंबर, 2023 को जारी जानकारी के अनुसार, पंजाब में उत्पन्न होने वाली 20 मिलियन टन पराली के लिए 1,17,672 फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनें हैं।

कानपुर में जमीनों के सर्किल रेट में 20 से 30 प्रतिशत इजाफा

» 18 अगस्त तक प्रस्तावित दरों पर आपत्ति मांगी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जिले के सर्किल रेट में 20 से 30 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी होने जा रही है। सितंबर माह से जमीन,

दुकान व मकान खरीदना और महंगा हो जाएगा। शहर के सर्किल रेट में 30 प्रतिशत और गांव के सर्किल रेट में 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी प्रस्तावित की गई है। रजिस्ट्री विभाग ने सर्वे करके प्रस्तावित दरें फाइनल कर दी है। अब शहरवासियों से 18 अगस्त तक प्रस्तावित दरों पर आपत्ति मांगी गई है। आपत्तियों का निस्तारण करके एक सितंबर से नया सर्किल रेट लागू किया जाएगा।

एआईजी स्टाम्प श्याम सिंह बिसेन ने बताया कि नए सर्किल रेट की प्रस्तावित दरों को तैयार करके शहरवासियों के सामने रखा गया है। शहर में 20 से 30 प्रतिशत की गई

सबसे महंगी जमीन बिरहाना रोड की-प्रति वर्गमीटर अब एक लाख पार

है। सर्किल रेट व बाजार मूल्य की असमानता को दूर करने का प्रयास किया गया है

एक बार फिर से सर्किल रेट में बढ़ोत्तरी की प्रस्तावित दरों को रजिस्ट्री विभाग ने जारी कर दिया है।

सबसे महंगी जमीन माल रोड की 1.07 लाख रुपये. प्रतिवर्ग मीटर हो गई। पीरोड, परेड, सिविल लाइंस की जमीन 98 हजार रुपये प्रतिवर्ग मीटर हो गई।

शहर से सटे कल्याणपुर, नौबस्ता और चकेरी क्षेत्रों की जमीनों के दाम 25 प्रतिशत तक बढ़ाए गए हैं। सभी तहसीलों के सब रजिस्ट्रारों ने अपने-अपने क्षेत्र की जमीनों की दरों के प्रस्ताव तैयार कर तहसील, एडीएम, जिलाधिकारी कार्यालय में सूची उपलब्ध करा दी है। नए सर्किल रेट में अगर किसी भी व्यक्ति को आपत्ति है तो 18 अगस्त तक अपने तहसील, सब रजिस्ट्रार कार्यालय पर पहुंचकर दर्ज करा सकता है। साथ ह्वह्वष्ट की वेबसाइट पर भी रेट देख सकता है। 20 अगस्त को अधिकारियों की उपस्थिति में आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। एक सितंबर को नया सर्किल रेट लागू होगा।

सबसे महंगी जमीन बिरहाना रोड

शहर में सबसे महंगी जमीन लगातार दूसरे साल बिरहाना रोड, माल रोड, जनरलगंज, माल रोड और सिविल लाइंस की है।

जगह	वर्तमान दरें	प्रस्तावित दर
सिविल लाइंस	80000	98000
जनरलगंज	80000	1.10 लाख
पीरोड	82000	98000
लाटूश रोड	650008	1000
ट्रांसपोर्टनगर	58000	80000
श्यामनगर	47000	63000
बर्रा	34000	46000
माल रोड	80 हजार	1.10 लाख

इनका सर्किल रेट प्रति वर्गमीटर अब एक लाख पार हो गया है। वहीं नए प्रस्तावित सर्किल रेट में प्रीमियम जगहों पर फ्लैट लेना अब महंगा पड़ेगा। प्रीमियम जगहों पर फ्लैट लेने के लिए 40त्न अतिरिक्त शुल्क चुकाना होगा। वीआईपी रोड, स्वरूप नगर और आर्यनगर से लेकर अन्य जगह फ्लैटों के दाम और बढ़ जाएंगे।

शहीद शुभम की तस्वीर पर राखी बांध रोई बहन, परिवार ने आंसुओं से मनाया रक्षाबंधन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए शुभम द्विवेदी की बहन आरती ने अपने भाई की तस्वीर पर राखी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस गमगीन मौके पर परिवार की आंखें नम थीं और सभी शुभम की पुरानी बातों को याद कर रहे थे।

कानपुर में पहलगाम आतंकी हमले में दिवंगत हुए शुभम द्विवेदी की बहन आरती ने इस रक्षाबंधन पर

भाई की तस्वीर पर तिलक कर भावुक श्रद्धांजलि दी। बहन ने अन्य भाइयों सौरभ और सौमित्र की कलाई पर राखी बांधते हुए शुभम की पिछली रक्षाबंधन की बातें याद कीं और फूट-फूटकर रो पड़ी।

घर का माहौल पूरी तरह गमगीन रहा

इस मौके पर हर सदस्य की आंखें नम थीं शुभम की याद में डूबे परिवार ने रक्षाबंधन को श्रद्धा और आंसुओं के साथ मनाया। बहन आरती ने बताया कि राखी बांध कर जब पैसे देने होते थे, तो हाथ में कुछ पैसे रख देता था। कहता था हाथ खोलकर देखो बहुत रुपये दिए हैं।

तस्वीर के सामने दीप जलाकर दी श्रद्धांजलि

फिर आरती कहती बस इतने, तो कहता अब ऑनलाइन मिलेंगे। आरती ने कहा शुभम हर साल राखी पर सबसे पहले आता था और मिठाई लेकर मुस्कुराता था,

लेकिन इस बार उसकी मुस्कान सिर्फ तस्वीर में रह गई है।

परिवार ने शुभम की तस्वीर के सामने दीप जलाकर उसे भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में चमकी बिल्हौर की बेटी तूलिका यादव

» 10 हजार की पुरस्कार राशि और सम्मान पत्र से नवाजी गईं

» हाल ही में प्रभा सनराइज स्कूल में नवीं कक्षा में लिया है दाखिला

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। क्रांतिकारी इतिहास की अमर गाथा काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी के उपलक्ष्य में वर्ष 2025-26 में बिठूर के नानाराव पार्क में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर जहां देशभक्ति की गूंज सुनाई दी, वहीं जिले के नन्हें कलाकारों ने अपनी प्रतिभा से कार्यक्रम को और भी गौरवशाली बना दिया। इसी श्रृंखला में कम्पोजिट विद्यालय गोहलियापुर (बिल्हौर) की छात्रा तूलिका यादव को उनकी अद्वितीय चित्रकला प्रतिभा के लिए रुपए 10,000 की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया।

बीएसए सुरजीत कुमार के हाथों उपहार लेती तूलिका यादव

यह पुरस्कार उन्हें पिछले वर्ष आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के फलस्वरूप प्रदान किया गया।सम्मान स्वरूप यह राशि माननीय विधायक श्रीमती नीलिमा कटियार द्वारा एक भव्य मंच पर प्रदान की गई, जो समस्त बिल्हौर क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बन गया।

इस अवसर पर विद्यालय की ओर से श्रीमती आशा कटियार एवं श्रीमती उषा ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर तूलिका का उत्साहवर्धन किया।

साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी रवी कुमार सिंह ने छात्रा को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के शिक्षकगणों ने इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया और कहा कि यह उपलब्धि न केवल तूलिका की कड़ी मेहनत का प्रतिफल है, बल्कि अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी।बिल्हौर की यह होनहार बेटी आज समस्त क्षेत्र का माथा ऊँचा कर रही है। उसकी यह उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि यदि लगन और समर्पण हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। तूलिका ने हाल ही में बिल्हौर के प्रभा सनराइज स्कूल में नवीं कक्षा में दाखिला लेकर अपने सपनों की उड़ान तेज कर दी है।

गोल्डी मेहन्दी क्वीन 2025: बेटियों के आत्मविश्वास और कला को मिला मंच

» मुख्य निर्णायक मंडल में रश्मि सिंह (जिलाधिकारी कानपुर नगर की धर्मपत्नी), दीक्षा जैन (मुख्य विकास अधिकारी, कानपुर नगर) और नीतू सिंह (निदेशिका, होटल लिटिल शेफ) मौजूद रहीं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शिक्षा, कला और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुभम् गोल्डी मसाले प्रा. लि. के सौजन्य से गोल्डी समूह द्वारा आयोजित गोल्डी मेहन्दी क्वीन 2025 प्रतियोगिता का भव्य आयोजन शुक्रवार, 8 अगस्त को सिविल लाइन्स स्थित होटल लिटिल शेफ में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ सोम गोयनका ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गोल्डी समूह पिछले 25 वर्षों से छात्राओं को प्रेरणा, प्रोत्साहन और पहचान देने का कार्य कर रहा है, जिससे बेटियों में आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है।

कानपुर की 500 छात्राओं में से चयनित 4 विद्यालयों की 20 छात्राओं ने अंतिम चरण में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में गोल्डी मेहन्दी क्वीन 2025 का ताज अर्सला (एस.एन. सोन) ने जीता। प्रथम उपविजेता दिव्या गुप्ता (जिम दुंगा, जुहारी) और द्वितीय उपविजेता को क्रमशः चाँदी का ताज, माइक्रोवेव डिनर सेट, पानी रखने का जग, कैसरोल सेट और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।मुख्य निर्णायक मंडल में रश्मि सिंह (जिलाधिकारी कानपुर नगर की धर्मपत्नी), दीक्षा जैन (मुख्य विकास अधिकारी, कानपुर नगर) और नीतू सिंह (निदेशिका, होटल लिटिल शेफ) ने विजेताओं को ताज पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कंपनी की निदेशिका मधु गोयनका, रजनी गुप्ता, आँचल गोयनका, निहारिका गुप्ता और मुद्रा गोयनका ने छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और विशेष पुरस्कार भेंट किए।

कंपनी निदेशक सुरेन्द्र गुप्ता ने बताया कि गोल्डी प्रतिभा परिचय मंच के तहत प्रदेशभर में प्रतियोगिताएं आयोजित होती रही हैं और गोल्डी मेहन्दी क्वीन का चुनाव पिछले 24 वर्षों से हो रहा है। निदेशक शुभम् गुप्ता व सुदीप गोयनका ने सभी विद्यालयों की प्रधानाचार्याओं और शिक्षिकाओं का सम्मान किया। निदेशक आकाश गोयनका ने अतिथियों का आभार जताते हुए बताया कि इस अवसर पर डबल इंजन डिटर्जेन्ट पाउडर व केक और बिना प्याज-लहसुन के 5 नए मसालों का भी लोकार्पण किया गया।कार्यक्रम का संचालन बिक्री महाप्रबंधक आलोक सेठ ने किया। उन्होंने बताया कि छात्राओं को श्रीकृष्ण-राधा, शंकर-पार्वती और विवाह विषयों पर मेहन्दी कला प्रस्तुत करनी थी, जिसे छात्राओं ने बेहद खूबसूरती से सजाया।

इस अवसर पर केदार गुप्ता, हरिओम, सुनील शर्मा, प्रभुनाथ यादव सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को अभिभावकों व शिक्षकों ने सराहनीय और प्रेरणादायक बताया।

भोगनीपुर पुलिस की बड़ी कामयाबी

मोबाइल टावर बैटरी चोर पकड़े गए

» तीन दिन में 6 आरोपी गिरफ्तार, 41,500 और चोरी का सामान बरामद

» दो वारदातों का खुलासा, चौकीदार पर जानलेवा हमले का भी मामला सुलझा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर पुलिस ने मोबाइल टावर से बैटरियां चोरी करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ कर बड़ी सफलता हासिल की है। महज तीन दिन में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से ?41,500 नकद, चोरी की बैटरियां बेचने से मिला माल, दो रिंच, दो लोडर बोलेरो पिकअप और मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

भोगनीपुर-छतेनी टावर से बैटरी चोरी, टेक्नीशियन [illegible] हमला कर बदमाश [illegible]र

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र में टावर बैटरियों की चोरी की दो वारदातों ने पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा दी है। पहली घटना भोगनीपुर गांव स्थित अल्टियस टेलीकॉम टावर की है, जहां से चोरों ने रात के अंधेरे में घुसकर भारी मात्रा में बैटरियां पार कर दीं। वहीं दूसरी वारदात छतेनी [illegible] स्थित इंडस टावर की है, जहां बदमा[illegible] केयरटेकर को घायल कर वारदा[illegible] अंजाम दिया।

» चार प[illegible]से पहुंचे चोर, केय[illegible]टकर की वारदात

» [illegible]र्ज किए दो मुकदमे, चोरों [illegible]श में जुटी टीम

भोगनीपुर टावर [illegible] पहली वारदात जालौन के[illegible]सी राजेंद्र सिंह पुत्र लाख[illegible]गनीपुर गांव के पास स्थि[illegible] टेलीकॉम टावर में टेक्नी[illegible]बताया कि टावर में लगी [illegible]YH24 बैटरियों में से कई [illegible]री हो गईं।

[illegible] जानकारी सुबह होते ही हुई। [illegible]न में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज [illegible]या है।

चार-पांच अज्ञात बदमाशों ने मारे डंडे, [illegible] भरकर ले गए बैटरी

छतेनी गांव स्थित इंडस टावर में कार्यरत केयरटेकर आदर्श पुत्र साहब लाल, निवासी बुधौली (वर्तमान निवासी गायत्री नगर पुखरायां), ने बताया कि वह टावर के अंदर ही सो रहा था, तभी चार-पांच अज्ञात बदमाश पहुंचे और बैटरी खोलने लगे।

विरोध करने पर उन्होंने आदर्श के सिर पर डंडा मारकर घायल कर दिया और बैटरियों को वाहन में भरकर फरार हो गए। आदर्श को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भोगनीपुर कोतवाल अमरेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और चोरों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है।

स्वराज इंडिया अखबार का प्रभाव

5 अगस्त, 2025 को दर्ज शिकायतों में पहली घटना इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास हुई थी, जहां Altius कंपनी के टावर से 24 बैटरियां चोरी हो गईं। दूसरी घटना छतेनी गांव की थी, जहां इंडस टावर से बैटरियां

चुराते वक्त चौकीदार ने रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

7 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पिलखिनी बम्बा जरैलापुर मोड़ से दो लोडर में सवार पांच आरोपियों ऋषभ यादव, नन्हें उर्फ दीपू, नरेंद्र चौहान, शिवकरन उर्फ छोटू और प्रदीप को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की बात कबूल की और बताया कि माल को कानपुर नगर के कबाड़ी रिंकू यादव को ?62,300 में बेचा था। रिंकू और उसके मालिक अतुल कुमार सिंह को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार गिरोह के 7 में से 6 सदस्य गिरफ्तार हो चुके हैं और सभी पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रक्षाबंधन पर बी एस मॉडर्न पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने गजनेर पुलिस को बांधा रक्षा सूत्र

» थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह और पूरे स्टाफ को टीका लगाकर राखी बांधी, पुलिस ने बच्चों को दिया मित्रता का संदेश

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात माती। ब्लॉक सरवनखेड़ा के नबीपुर रोड स्थित बीएस मॉडर्न पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर गजनेर थाना प्रभारी जनार्दन सिंह और पूरे पुलिस स्टाफ को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूती दी। सनातन परंपरा के अनुसार छात्राओं ने टीका लगाकर रक्षासूत्र बांधा और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान थाना परिसर में उत्साह और स्नेह से भरा माहौल देखने को मिला।

छात्राओं के इस प्यार और सम्मान से अभिभूत होकर थाना प्रभारी ने बच्चों को मिठाइयां और चॉकलेट वितरित कीं। साथ ही, उन्होंने मित्र पुलिस का संदेश देते हुए बच्चों के मन से पुलिस के प्रति भय को मिटाने की पहल की। थाना परिसर में इस अवसर पर एक पारिवारिक और भावनात्मक वातावरण बन गया, जिसमें स्नेह का सुंदर संगम नजर आया। थाना प्रभारी ने बच्चों को कहानी सुनाकर नैतिक शिक्षा से जुड़ी बातें बताईं। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षक और माता-पिता की बात मानी जाए तो पुलिस के पास आने की नौबत नहीं आती। अपराध से दूर रहने, अच्छे अंक लाने और माता-पिता का नाम रोशन करने की प्रेरणा भी दी। इस मौके पर एसआई त्रिमल सिंह, एसआई असेंद्र पटेल, दीवान वीरेंद्र पाल, सिपाही प्रतीक यादव, लायक सिंह, अजय यादव, स्कूल के प्रधानाचार्य राहुल यादव, शिक्षक पुष्पेंद्र सिंह और समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

बेड़ामऊ प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की तिरंगा यात्रा से गूंजा गांव

» राष्ट्र प्रेम जगाने और हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का लिया संकल्प

देशभक्ति के नारों और आजादी की कहानियों से माहौल हुआ भावुक

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के प्राथमिक विद्यालय बेड़ामऊ में बच्चों ने आजादी के प्रतीक चिन्हों के प्रति सम्मान और राष्ट्र प्रेम की भावना जगाने के लिए तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा विद्यालय से शुरू होकर गांव की गलियों से होती हुई पुनः विद्यालय परिसर में समाप्त हुई। बच्चों ने भ्रमण के दौरान गांववासियों से हर घर तिरंगा लगाने का आह्वान किया।

यात्रा के दौरान बच्चों की जुबां पर वंदे मातरम, भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद और सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा जैसे जोशीले नारे गूंजते रहे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन में देश के प्रति सम्मान की

भावना विकसित करना और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करना रहा विद्यालय के प्रधानाध्यापक रंजन लाल कुशवाह ने बच्चों को आजादी की कहानियां सुनाईं और शहीदों की कुर्बानियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में हमारी माताओं और बहनों का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने आंदोलनकारियों का हर कदम पर साथ दिया। इस मौके पर सहायक अध्यापक संजय गौतम, ब्रजेश कुमार, शिक्षामित्र छवि कटियार, दिलीप कुमार और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी मौजूद रहीं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का भव्य समापन, देशभक्ति के रंग में रंगा माती

» मंत्री प्रतिभा शुक्ला, जिलाधिकारी व वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ आयोजन

» छात्र-छात्राओं व कलाकारों ने दी देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, स्टालों का भी किया अवलोकन

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। ईको पार्क, माती स्थित सामुदायिक भवन में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव समापन समारोह एवं तिरंगा महोत्सव धूमधाम से आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि मा. राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, जिलाधिकारी कपिल सिंह,

पुलिस अधीक्षक अरविन्द्र मिश्र व मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन. सहित कई जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में दीप प्रज्ज्वलन के साथ

कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

संस्कृति विभाग के कलाकारों और विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के वीरों की गाथा जीवंत कर दी। मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने अपने संबोधन में काकोरी के अमर सेनानियों के त्याग को याद करते हुए नई पीढ़ी से देशभक्ति को आत्मसात करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के बाद अतिथियों ने विभिन्न विभागों और स्वावलंबी समूहों के स्टालों का अवलोकन किया। प्रतियोगिताओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। छात्राओं ने अतिथियों को स्वयं निर्मित तिरंगा राखी बांधी। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, शिक्षक, अधिकारी-कर्मचारी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

निर्माणाधीन मकान में मिला युवक का शव, करंट या कत्ल?

» रसधान में 35 वर्षीय सुमित कटियार की मौत, गर्दन पर चोट के निशान से हत्या की आशंका

» पुलिस का दावा संभावित कारण बिजली का करंट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगा खुलासा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। सिकंदरा थाना क्षेत्र के रसधान गांव में एक निर्माणाधीन मकान से 35 वर्षीय सुमित कटियार का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की गर्दन पर चोट के निशान पाए जाने पर परिवार ने हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस का कहना है कि मौत बिजली के करंट से भी हो सकती है।

राजपुर थाना क्षेत्र के हिमायूंपुर निवासी सुमित कटियार कानपुर में सब्जी बेचकर परिवार का पालन-पोषण करते थे और इन दिनों रसधान में अपना मकान बनवा रहे थे। राजमिस्त्री प्रेम कुमार के मुताबिक, शुक्रवार सुबह उन्होंने सुमित को निर्माणाधीन मकान के पास लगी मरकरी लाइट से चिपका देखा। तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर सिकंदरा पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और सबूत इकट्ठा किए। प्रभारी निरीक्षक हरिओम प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि शुरुआती जांच में करंट

से मौत की संभावना है, लेकिन हत्या की आशंका को भी खारिज नहीं किया गया है। आसपास के सीसी टीवी फुटेज की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही असली कारण स्पष्ट होगा।

यूपी में बीजेपी का मिशन 2027 कमजोर कड़ियों पर गिरेगी गाज

» विवाद और नाराज़गी से जूझते विधायको को मानना भी चुनौती

लोकसभा वाली गलती से बचने की तैयारी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने अपने घर की सफाई का अभियान शुरू कर दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली अपेक्षाकृत कमज़ोर सफलता से सबक लेते हुए इस बार पार्टी आलाकमान ने स्पष्ट कर दिया है कि जीत की गारंटी देने वाले उम्मीदवार ही मैदान में उतरेंगे।

पार्टी ने 403 विधानसभा सीटों पर अपने मौजूदा विधायकों और प्रमुख नेताओं का प्रदर्शन परखना शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह ऑडिट गोपनीय तरीके से हो रहा है और विधायकों को तीन श्रेणियों–ए, बी और सी–में बांटा जा रहा है। जिनकी छवि विवादों में रही है या जिनसे जनता नाराज़ है, वे 'सी' श्रेणी में पहुंचकर टिकट कटने के खतरे में हैं।

बलिया के विधायक आनंद स्वरूप शुक्ला का नाम विवादों से जुड़ा रहा है, वहीं मेरठ के एक विधायक पर उपेक्षा के आरोप लगे हैं। कानपुर के महेश त्रिवेदी ने सरकारी कर्मचारी से कान पकड़ कर माफी मंगवाने और नगर आयुक्त को 'मुर्गा' बनाने की बात कहने जैसी हरकतों से सुर्खियां बटोरीं।

गोरखपुर के पूर्व मंत्री फतेह बहादुर, अपनी ही सरकार पर हत्या साज़िश का आरोप लगाने के बाद अब लगातार भोज, चौपाल और जनसुनवाई से छवि सुधारने की कोशिश में हैं।

आजमगढ़ के मंत्री राकेश पांडेय मुफ्त राशन बांटने का प्रचार करते पकड़े गए, जबकि दुकान पहले से चालू थी। कानपुर की मंत्री प्रतिभा शुक्ला पुलिस थाने में धरने पर बैठ गईं, और बलिया के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह छोटे–बड़े हर कार्यक्रम में दिखने की कोशिश कर रहे हैं।

जनता के बीच बढ़ी हलचल

ऑडिट की खबर ने कई विधायकों की सक्रियता अचानक बढ़ा दी है। कोई गांव–गांव पौधारोपण कर रहा है, तो कोई चौपाल में चाय पीते हुए गपशप कर रहा है। लेकिन जनता भी सवाल पूछ रही है—पांच साल कहां थे? यह जनता की सतर्कता का संकेत है कि अब महज चुनावी स्टंट से भरोसा नहीं जीता जा सकता।

विपक्ष की हर मुद्दे पर पैनी नजर

समाजवादी पार्टी ने हाल के उपचुनावों को 2027 का सेमीफाइनल मानकर अपनी रणनीति तेज कर दी है। ओबीसी और सामाजिक समीकरणों पर फोकस करते हुए विपक्ष, बीजेपी के असंतुष्ट वोट बैंक पर नज़र गड़ाए है।

बीजेपी का यह 'रिपोर्ट कार्ड मॉडल' बताता है कि पार्टी अब आत्मसंतोष में नहीं रहना चाहती। विवादित और अलोकप्रिय चेहरों को हटाकर ही वह हैट्रिक का सपना पूरा करना चाहती है। पर जनता के बदलते मिजाज में, यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी की यह सर्जिकल पॉलिटिक्स उसे मजबूती देती है या अंदरूनी असंतोष को और बढ़ाती है।

आगरा में आज़म ख़ां के करीबी पूर्व आईएएस अब्दुल समद पर बड़ी कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आगरा। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आज़म ख़ां के करीबी और पूर्व IAS अधिकारी अब्दुल समद पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। विजिलेंस की जांच में समद 2.97 करोड़ रुपये की संपत्ति का हिसाब नहीं दे सके।

भ्रष्टाचार के मामले में एफआईआर, 2.97 करोड़ का नहीं दे सके हिसाब

सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2022 में शासन ने विजिलेंस आगरा को इस मामले की जांच के आदेश दिए थे। लंबी पूछताछ के बावजूद समद कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद शासन की मंजूरी पर एफआईआरदर्ज की गई।सपा सरकार के दौरान गाज़ियाबाद के नगर आयुक्त रह चुके समद पर आरोप है कि सेवा के दौरान उन्होंने लखनऊ, जौनपुर, आज़मगढ़ और कानपुर में करोड़ों की अचल संपत्ति बनाई। विजिलेंस के अनुसार, यह संपत्ति उनकी ज्ञात आय से कहीं अधिक है।भ्रष्टाचार के आरोप में दर्ज इस मुकदमे से राजनीतिक गलियारों

में हलचल मच गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में विजिलेंस उनकी संपत्तियों पर शिकंजा कसने की तैयारी में है।

कुमारगंज अस्पताल में ठेकेदारी में खेल उजागर

» 27 कर्मचारियों की रोज़ी पर लटकी तलवार

» पीछे 'पुराने घोटालेबाज़' का हाथ!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या के कुमारगंज स्थित 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में आउटसोर्स कर्मचारियों पर अचानक वेतन और नौकरी संकट टूट पड़ा है। 06 अगस्त 2025 को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) के जारी पत्र ने यहां तैनात 27 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की ज़िंदगी में भूचाल ला दिया है।

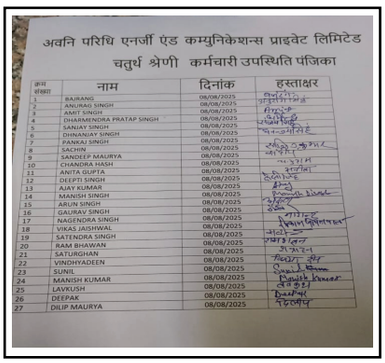
अवनि परिधि एनर्जी एंड कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उपस्थिति पंजिका

क्रम संख्या	नाम	दिनांक	हस्ताक्षर
1	BAIRANG	08/08/2025	
2	ANURAG SINGH	08/08/2025	
3	AMIT SINGH	08/08/2025	
4	DHARMENDRA PRATAP SINGH	08/08/2025	
5	SANJAY SINGH	08/08/2025	
6	DHNANJAY SINGH	08/08/2025	
7	PANKAJ SINGH	08/08/2025	
8	SACHIN	08/08/2025	
9	SANDEEP MAURYA	08/08/2025	
10	CHANDRA HASH	08/08/2025	
11	ANITA GUPTA	08/08/2025	
12	DEEPTI SINGH	08/08/2025	
13	AJAY KUMAR	08/08/2025	
14	MANISH SINGH	08/08/2025	
15	ARUN SINGH	08/08/2025	
16	GAURAV SINGH	08/08/2025	
17	NAGENDRA SINGH	08/08/2025	
18	VIKAS JAISHWAL	08/08/2025	
19	SATENDRA SINGH	08/08/2025	
20	RAM BHAWAN	08/08/2025	
21	SATURGHAN	08/08/2025	
22	VINDHYADEEN	08/08/2025	
23	SUNIL	08/08/2025	
24	MANISH KUMAR	08/08/2025	
25	LAVKUSH	08/08/2025	
26	DEEPAK	08/08/2025	
27	DILIP MAURYA	08/08/2025	

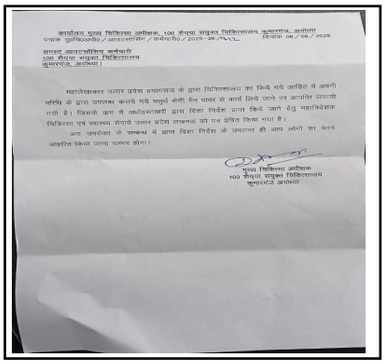

पूरा मामला तब उभरा जब महालेखाकार उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के ऑडिट में फ्अवनी परिधिफ् नामक एजेंसी से कर्मचारियों से काम कराने पर गंभीर आपत्ति दर्ज हुई। ऑडिट रिपोर्ट ने इस ठेकेदार पर नियम उल्लंघन और भुगतान में गड़बड़ी के आरोप लगाए। दिलचस्प यह है कि यही एजेंसी पूरे प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में चतुर्थ श्रेणी स्टाफ उपलब्ध कराती है और हाल ही में इसे ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी, लेकिन एजेंसी ने हाईकोर्ट से स्टे ले लिया।

सूत्र बताते हैं कि कुमारगंज में तैनात एक कुख्यात कनिष्ठ लिपिक ने सीएमएस के साथ मिलकर यह खेल रचा। यह वही लिपिक है जो एनआरएचएम लखनऊ घोटाले और सीएमओ हत्या कांड में न सिर्फ आरोपी रहा बल्कि जेल की हवा भी खा चुका है। इसी महीने रिटायर होने से पहले इसने आखिरी 'कमाई' का प्लान बनाया पुरानी एजेंसी को हटाकर अपने किसी खास को सेवा प्रदाता बनाना।नतीजा अप्रैल से अब तक कर्मचारियों को वेतन नहीं, और अब नौकरी से भी बेदखली का फरमान! सीएमएस ने साफ कह दिया है कि जब तक लखनऊ से 'दिशा-निर्देश' नहीं आते, तब तक वेतन भुगतान संभव नहीं। जबकि जिला अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को जून तक का वेतन भुगतान किया गया है तो कुमारगंज में इस तरह का तुगलकी फरमान क्यों?

कर्मचारियों का कहना है कि वे बिना किसी गलती के सज़ा भुगत रहे हैं, जबकि खेल ठेकेदारी और फाइलों की सियासत में छिपा है। अब सवाल उठता है यह सिर्फ ऑडिट की 'तकनीकी आपत्ति' है या फिर एक और सरकारी ठेके का घोटाला, जिसकी डोरें पुराने अपराधियों के हाथ में हैं?

अयोध्या में रिंग रोड पर अंडरपास और सड़क चौड़ीकरण की मांग

» पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने गडकरी को सौंपा पत्र, नाका क्षेत्र में स्मार्ट फुट ओवर ब्रिज बनाने का भी अनुरोध

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर अयोध्या में सड़क विकास से जुड़ी प्रमुख समस्याओं और समाधान पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने नाका बाईपास से रिंग रोड तक सड़क चौड़ीकरण और अयोध्या रिंग रोड पर आवश्यक अंडरपास निर्माण की मांग करते हुए मंत्री को पत्र सौंपा।पूर्व सांसद ने बताया कि मसौधा ब्लॉक के सरियावां क्षेत्र से गुजर रही रिंग रोड के कारण गोपालपुर और रानीबाजार मार्ग के सात गांवों का संपर्क कटने की आशंका है। उन्होंने जलालाबाद-हूंसेपुर संपर्क मार्ग पर ओवरब्रिज अथवा अंडरपास तथा तिवारी का पुरवा और तुलसी तारा ददेरा के बीच अंडरपास निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया।इसके अलावा, शहर के नाका क्षेत्र में दिशा कोचिंग के सामने – जोगीतारा कॉलोनी में स्मार्ट फुट ओवर ब्रिज बनाने का भी अनुरोध मंत्री से किया गया। लल्लू सिंह ने कहा कि निर्माणाधीन रिंग रोड के कुछ हिस्सों में यातायात और जनसुविधा को लेकर गंभीर चुनौतियां हैं। यदि समय रहते इनका समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों की दैनिक गतिविधियां, खेती-बाड़ी और बाजार तक पहुंचने में कठिनाई बढ़ सकती है।

उन्होंने मांग की कि जनहित, यातायात सुरक्षा और स्थानीय विकास को देखते हुए अंडरपास और सड़क चौड़ीकरण के प्रस्ताव को तुरंत योजना में शामिल किया जाए।

रूस-यूक्रेन की जंग होगी खत्म?

15 अगस्त मिलेंगे ट्रंप और पुतिन

एक दशक बाद अमेरिका आएंगे रूसी राष्ट्रपति

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन में जारी युद्ध को रोकने की कोशिश के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से अगले सप्ताह मिलने वाले हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि दोनों नेता आगामी 15 अगस्त को रूस-यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा के लिए मिलेंगे। दोनों के बीच मुलाकात अलास्का में होने वाली है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बहुप्रतीक्षित मुलाकात अगले शुक्रवार 15 अगस्त 2025 को अलास्का के महान राज्य में होगी।

रूसी समाचार एजेंसी TASS ने बताया कि क्रेमलिन ने सहयोगी यूरी उशाकोव ने इस बैठक की पुष्टि की है। सोशल मीडिया पर घोषणा के पहले ट्रंप

ने कहा था कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की समेत दोनों पक्ष एक युद्धविराम समझौते के करीब हैं, जो साढ़े तीन साल से चल रहे संघर्ष को समाप्त कर सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि इसके लिए यूक्रेन को अपना एक बड़ा भूभाग छोड़ना पड़ सकता है।

यूक्रेन को छोड़नी पड़ सकती है जमीन : वॉइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में हुए उन्होंने कहा, 'दोनों देशों के हित में कुछ भू-भागों की अदला-बदली होगी।' शुक्रवार शाम को यूक्रेनी राष्ट्रपति ने भी राष्ट्र को संबोधित किया और कहा कि अगर रूस पर दबाव बनाए रखा जाए तो युद्धविराम संभव है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम लगातार अमेरिका के संपर्क में है।

दूसरे कार्यकाल में ट्रंप की पुतिन से पहली बैठक : जनवरी 2025 में अपना दूसरा कार्यकाल शुरू करने के बाद यह ट्रंप की यह पुतिन के साथ पहली आधिकारिक बैठक है। यह जून 2021 के बाद पहली औपचारिक अमेरिकी और रूसी राष्ट्रपति की बैठक होगी। 2021 में बाइडन ने स्विटजरलैंड में पुतिन से मुलाकात की थी। पुतिन की अलास्का यात्रा एक दशक में अमेरिका की पहली यात्रा होगी। इसके पहले उन्होंने सितंबर 2015 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अमेरिका का दौरा किया था, जहां तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा से मुलाकात की थी। हालांकि, उनकी टीम ने बातचीत के लिए किसी तीसरी जगह जैसे संयुक्त अरब अमीरात को पसंद बताया था। लेकिन ऐसा लगता है कि ट्रंप प्रशासन ने सुरक्षा कारणों की वजह से किसी घरेलू स्थल पर जोर दिया।

दस बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा गया : हिमंत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को असम के श्रीभूमि जिले से 10 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को पड़ोसी देश में खदेड़ दिया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अवैध घुसपैठ के खिलाफकड़ी कार्रवाई जारी है! शर्मा ने कहा, ''असम की जनसांख्यिकी को बदलने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। सीमाएं सुरक्षित हैं, घुसपैठिए खदेड़ दिये गए!'' असम पुलिस ने पिछले हफ्ते श्रीभूमि से 27 अवैध घुसपैठियों को बांग्लादेश खदेड़ दिया था। हाल के महीनों में 387 से अधिक कथित अवैध घुसपैठियों को खदेड़कर वापस भेजा गया है। शर्मा ने दावा किया कि राज्य सरकार घुसपैठ मुक्त असम के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रतिक्रिया | इजरायल का गाजा में नियंत्रण करने की घोषणा का किया विरोध

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर का अल्टीमेटम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। इजरायल के गाजा पर नियंत्रण की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इजरायल को इस ऐलान पर पुनर्विचार करने की सलाह दी है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इजरायल के उस घोषणा का विरोध किया, जिसमें उसने गाजा पर नियंत्रण करने की बात कही है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने इजरायल को इसपर पुनर्विचार करने की सलाह दी और इसे गलत करार दिया। इंग्लैंड की स्टार्मर सरकार फिलिस्तीन में मानवीय संकट का हवाला देते हुए इजरायल से युद्ध विराम करने की मांग कर रहा है। ब्रिटेन के पीएम ने कहा, 'गाजा पर इस तरह की कार्रवाई करने से लड़ाई को समाप्त करने या बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने में कोई मदद नहीं मिलेगी।' उन्होंने कहा कि इससे लड़ाई और बढ़ सकती है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का ये बयान इजरायल के गाजा पर

नियंत्रण की घोषणा के कुछ घंटे बाद आया।

गाजा में हमले बढ़ाने का फैसला गलत : प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि इजरायल का गाजा में अपने हमले को और बढ़ाने का फैसला गलत है और ब्रिटेन इसपर दोबारा सोचने की सलाह देता है। गाजा में मानवीय संकट हर दिन बढ़ता जा रहा है और हमास की ओर से बंधक बनाए गए लोगों को अमानवीय और भयानक तरीके से रखा जा रहा है।

बातचीत कर रास्ता निकालने की जरूरत : स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन और उसके सहयोगी देश इन क्षेत्रों में शांति कायम करने के लिए एक बड़ी योजना पर काम कर रहे हैं। हमें युद्धविराम और हमास की ओर से बनाए गए बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत कर रास्ता निकालने की जरूरत है, लेकिन जब तक दोनों देश बातचीत के लिए तैयार नहीं होंगे, युद्धविराम कराना मुश्किल है।

हमारे पास कूटनीतिक रास्ता है, लेकिन उससे पहले दोनों देशों को लड़ाई खत्म करना होगा।

'मतदाता सूची से एक भी नाम हटा तो...'

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी की खुली चुनौती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लागू करने को लेकर टीएमसी राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हम बंगाल में इसे लागू नहीं होने देंगे। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल में एक भी नाम अंतिम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाया गया तो पार्टी राज्य के एक लाख लोगों के साथ निर्वाचन आयोग का घेराव करेगी। नई दिल्ली से लौटने के बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए डायमंड हार्बर के सांसद बनर्जी ने कहा कि मतदाता सूचियों का प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) बंगाल में नहीं होने दिया जाएगा।

गरीब लोगों का छीना जाएगा हक : बनर्जी ने कहा, 'मेरी पार्टी का रुख साफ है, जिस तरह से भाजपा बंगाल में एसआईआर लागू करना चाहती है, यानी एक-दो साल की प्रक्रिया को सिर्फ एक-दो महीने में समेटना चाहती है, उसका नतीजा यह होगा कि सबसे पहले गरीब लोग सूची से बाहर हो जाएंगे। बिहार में 65 लाख नाम हटाए गए हैं।'